UPSC MAINS · ANSWER PRACTICE

Polity & Governance · GS - II

भारत में डिजिटल अरेस्ट और
साइबर धोखाधड़ी की बढ़ती
समस्या के संदर्भ में नागरिकों
की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा
साइबर अपराधियों पर प्रभावी
कार्रवाई करने की चुनौतियों और
उपायों की चर्चा कीजिए।

EXAM YEAR

DAILY PRACTICE 29/10/2026

PAPER

GS - II

SUBJECT

Polity & Governance

MARKS

10

WORD LIMIT

~150 words

Answer Hint

डिजिटल अरेस्ट का स्वरूप ; साइबर अपराध की चुनौतियाँ ;
संवैधानिक संरक्षण ; पुलिस एवं एजेंसियों का समन्वय ; डिजिटल
साक्षरता ; पीड़ितों की सुरक्षा

Model Answer

भूमिका
डिजिटल अरेस्ट साइबर धोखाधड़ी का एक तरीका है, जिसमें अपराधी पुलिस
या अन्य सरकारी एजेंसियों का अधिकारी बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से
लोगों को गिरफ्तारी का भय दिखाते हैं और उनसे धन वसूलते हैं। यह
नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा तथा मानसिक शांति के लिए गंभीर चुनौती
है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias

प्रमुख चुनौतियाँ

1. पहचान छिपाना : अपराधी फर्जी पहचान ,
इंटरनेट कॉल और विभिन्न बैंक खातों का
इस्तेमाल करते हैं।
2. अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय
नेटवर्क : अलग -अलग क्षेत्रों में सक्रिय
गिरोहों की जाँच और समन्वय कठिन होता
है।
3. डिजिटल जागरूकता की कमी: नागरिक भय या
सामाजिक प्रतिष्ठा की चिंता में
धोखेबाजों की बात मान लेते हैं।
4. धन की शीघ्र निकासी : धन कई खातों में
स्थानांतरित होने से उसकी बरामदगी कठिन
हो सकती है।

आवश्यक उपाय

पुलिस और साइबर अपराध इकाइयों के बीच
त्वरित सूचना -साझाकरण , संदिग्ध खातों पर
समयबद्ध कार्रवाई तथा डिजिटल साक्ष्यों का
वैज्ञानिक विश्लेषण आवश्यक है। नागरिकों
को स्पष्ट रूप से बताया जाना चाहिए कि
वीडियो कॉल पर गिरफ्तारी का भय दिखाकर धन
माँगना धोखाधड़ी का संकेत है। पीड़ितों को
तत्काल शिकायत दर्ज कराने और वित्तीय लेन -
देन रोकने में सहायता मिलनी चाहिए।

निष्कर्ष

प्रभावी कानून -प्रवर्तन , तकनीकी क्षमता , जन -
जागरूकता और पीड़ित -केंद्रित व्यवस्था के
समन्वय से डिजिटल अरेस्ट जैसे अपराधों पर
नियंत्रण मजबूत किया जा सकता है।

www.becomeias.com YouTube: becomIAS | Instagram: howtobecomeias